Hindustan (Hindi)

(Gorakhpur Ed.)
March 27, 2018
Pg.4

EDII

ईडीआईआई के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में दी जानकारी, निजी संस्थाओं के अलावा स्वरोजगार से दूर होगी बेरोजगारी

सुदूर ग्रामीण इलाकों तक बस से पहुंचेगी स्वरोजगार की क्लास

गोरखपुर | मिथिलेश द्विवेदी

स्वरोजगार के प्रशिक्षण के लिए केन्द्रों पर न पहुंच पाने वाले सुदूर ग्रामीण इलाकों के युवक-युवतियों के लिए ईडीआईआई ने ऐसी योजना शुरू की है जिसके तहत बस से स्वरोजगार की क्लास इन इलाकों तक पहुंचेगी। 30 घंटे की कक्षा लगाकर इच्छुक युवाओं को स्वरोजगार के लिए ट्रेंड करेगी। युवाओं को स्वरोजगार के लिए मदद की भी जानकारी दी जाएगी।

यह जानकारी इंटरप्रेन्योर डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई) अहमदाबाद के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ला ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में दी। डीडीयू के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करने पहुंचे प्रो. शुक्ला ने बताया कि पूरे देश में कई जगह ईडीआईआई के केन्द्र हैं। मगर यहां सभी बेरोजगार नहीं पहुंच पाते हैं। सुदूर ग्रामीण इलाके के लोग तो कदापि नहीं पहुंच पाते। उसके लिए खास तौर पर बीते 22 मार्च को ईडीआईआई ने एचपी वर्ल्ड ऑन व्हील्स नामक प्रोजेक्ट शुरू किया है। ईडीआईआई ने एचपी कंपनी की मदद से एक ऐसा बस डिजाइन किया है जिसमें 20 कंप्यूटर वाली क्लास का इंतजाम है। इसमें उद्यमिता विकास संबंधित कई तरह के उपकरण भी लगे हुए हैं। हर बस पर कम से कम दो ट्रेनर हैं। ये बसें राज्यों के सुदूर ग्रामीण इलाकों तक पहुंच कर युवाओं को स्वरोजगार के लिए ट्रेनिंग देंगी। जिन इलाकों में बस नहीं पहुंच पाएगी, वहां के लोगों की इच्छा पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए भी ट्रेनिंग देने की सुविधा है।

ट्रेनर प्रशिक्षण लेने वालों को वित्तीय मदद लेने के उपाय भी बताएंगे और नफे-नुकसान से भी वाकिफ कराएंगे। इन बसों में आधार की वैरिफिकेशन या अपडेशन की सुविधा रहेगी। हर युवा के लिए 30 घंटे की कक्षा का टाइम सेट किया गया है।

प्रो. सुनील शुक्ला, निदेशक

महिला उद्यमिता में छोटे देशों से भी हम पीछे

प्रो. शुक्ल ने कहा कि बीते दो सालों में पीएम की मुद्रा योजना से कुल 3 .78 करोड़ लोग लाभान्वित हुए। इनमें महिलाओं की भागीदारी करीब 78 फीसदी थी। देश में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एसओएचओ (स्माल ऑफिस होम ऑफिस) का कांसेप्ट दिया गया है। इस मामले में हम वियतनाम व सिंगापुर जैसे छोटे देशों से भी काफी पीछे हैं।

सेक्टर वाइज बने हैं उद्यमिता के प्रोग्राम

डीडीयू के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. रामदेव शुक्ल के ज्येष्ठ पुत्र प्रो. सुनील शुक्ला ने बताया कि ईडीआईआई ने काफी मंथन के बाद हर सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग प्रोग्राम तैयार किया है। जो युवा जिस विधा में चाहे स्वरोजगार चुन सकता है। हम हर तरह की ट्रेनिंग मुहैया कराएंगे। देश भर के संस्थान को हम हर साल ऑफर करते हैं कि इन प्रोग्रामों को वह अपने यहां शुरू कर युवाओं को स्वरोजगार की ट्रेनिंग दें। प्रो. शुक्ला ने बताया कि चार साल में देश में उद्यमिता विकास के मामले में तस्वीर बदली है। चार पहले अपने देश में यह इंडेक्स छह प्रतिशत था जो अब बढ़कर 10 फीसदी पहुंच गया है।